No. of Printed Pages : 2

आर.एम.यू.-002

Ph.D. IN PERFORMING AND VISUAL ARTS (PHDPVA)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2015 00245

आर.एम.यू.-002 : भारतीय संगीत का इतिहासपरक अध्ययन

समय : 3 घंटे *अधिकतम अंक : 70*

*नोट : किन्हीं **सात** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. नाट्यशास्त्र के अन्तर्गत संगीत सम्बन्धी अध्यायों में दिए गए तत्त्वों का सार बताइए । *10*

2. ताल के दश प्राण को विस्तृत रूप में समझाइए । *10*

3. भारतीय संगीत में श्री विष्णु नारायण भातखण्डे जी की देन के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए । *10*

4. ध्रुपद गायन परम्परा के क्रमिक विकास के सम्बन्ध में सविस्तार वर्णन कीजिए । *10*

5. पं. अहोबल द्वारा वीणा के तार पर स्वरों की स्थापना को विस्तारपूर्वक समझाइए । उनके इस प्रयोग से भारतीय संगीत को क्या लाभ हुआ ? चर्चा कीजिए । *10*

6. भातखण्डे द्वारा प्रतिपादित थाट-राग वर्गीकरण की समीक्षा कीजिए । *10*

7. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** पर निबंध लिखिए : *10*

   (क) तन्त्री वाद्यों का क्रमिक विकास

   (ख) अवनद्ध वाद्यों का क्रमिक विकास

8. संगीत रत्नाकर में वर्णित प्रबन्ध प्रकारों का विस्तृत विवरण दीजिए । *10*

9. मध्यकालीन किन्हीं चार ग्रन्थकारों द्वारा प्रस्तुत श्रुति-स्वर विभाजन को तालिका द्वारा दर्शाइए । *10*